RBI का वित्तीय समावेशन सूचकांक

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने घोषणा की है कि वित्तीय समावेशन सूचकांक (FI-सूचकांक) मार्च 2023 के 60.1 से बढ़कर मार्च 2024 में 64.2 हो गया है, जो पूरे देश में वित्तीय समावेशन में महत्वपूर्ण प्रगति का संकेत प्रदान करता है।

- FI-सूचकांक वित्तीय समावेशन का एक व्यापक माप है, जो **0 से 100** तक होता है, जिसमें 0 पूर्ण वित्तीय बहिष्करण को दर्शाता है और 100 पूर्ण वित्तीय समावेशन को दर्शाता है।
  - FI-सूचकांक **प्रतिवर्ष जुलाई में प्रकाशित** किया जाता है।
- इसमें मुख्य रूप से तीन मानदंड शामिल हैं: **पहुँच (35%), उपयोग (45%), और गुणवत्ता (20%)**। यह सूचकांक बैंकिंग, निवेश, बीमा, डाक सेवाओं एवं पेंशन को कवर करने वाले **97 संकेतकों पर आधारित** है।
  - इसे वित्तीय सेवाओं की पहुँच, उपलब्धता, उपयोग और साथ ही गुणवत्ता की आसानी को मापने के लिये सरकार एवं क्षेत्रीय नियामकों के परामर्श से विकसित किया गया था।
  - सूचकांक में सुधार सभी उप-सूचकांकों में वृद्धि से प्रेरित था, जिसमें कुल वृद्धि में उपयोग आयाम का सर्वाधिक योगदान था।
- यह सूचकांक **बिना किसी आधार वर्ष** के निर्मित किया गया है, जो पिछले कई वर्षों में वित्तीय समावेशन की दिशा में सभी हितधारकों के संचयी प्रयासों को दर्शाता है।

और पढ़े: प्रधानमंत्री जन धन योजना के नौ वर्ष

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rbi-s-financial-inclusion-index